आयात निर्यात क्षेत्र के लिए ऋण

992. **श्री बलवन्त सिंह रामूवालिया:**
श्री कपिल सिब्बल:

क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि 1997-98 के वित्त वर्ष के दौरान बैंकों द्वारा दिये गये कुल ऋणों का 15 प्रतिशत हिस्सा आयात निर्यात क्षेत्र को उपलब्ध कराया गया है;

(ख) यदि नहीं, तो इस संबंध में तथ्यों का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या यह भी सच है कि आयात निर्यात क्षेत्र को बैंकों के नियम प्राथमिकता वाले क्षेत्र के रूप में नहीं गिना जाता है; और

(घ) यदि हां, तो प्राथमिकता वाले क्षेत्र को कितने प्रतिशत ऋण दिया गया तथा उसमें कृषि का अलग से कितने प्रतिशत हिस्सा है?

वित्त मंत्रालय (बैंकिंग, राजस्व तथा बीमा) में राज्य मंत्री (श्री कादम्बूर एम० आर० जनार्दनन): (क) और (ख) भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना के अनुसार अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों से अपेक्षा की जाती है कि वे निर्यात क्षेत्र को उपयुक्त ऋण संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए निवल बैंक ऋण का 12% तक निर्यात ऋण के रूप में उपलब्ध कराएं। जून 1997, सितम्बर 1997, दिसम्बर, 1997 और मार्च 1998 को समाप्त हुई तिमाही के दौरान प्रत्येक पखवाड़े में बकाया औसत निर्यात ऋण सम्बद्ध अवधि के दौरान औसत निवल बैंक ऋण का क्रमशः 11.6%, 11.3%, 11.1% और 11.4% था।

(ग) भारतीय बैंकों के लिए प्राथमिकता क्षेत्र में निर्यात ऋण को सम्मिलित नहीं किया जाता है। भारत में परिचालित विदेशी बैंकों के मामले में, निर्यात ऋण प्राथमिकता क्षेत्र अग्रिमों में शामिल करने के लिए पात्र है।

(घ) भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना के अनुसार मार्च 1998 के अन्तिम शुक्रवार की स्थिति के अनुसार सरकारी क्षेत्र के बैंकों के बकाया प्राथमिकता क्षेत्र अग्रिम और बकाया कृषि अग्रिम निम्नानुसार हैं:—

(करोड़ रुपए)

	राशि	नियत बैंक ऋण का %
प्राथमिकता क्षेत्र अग्रिम	91319	41.85 (40%)*
कृषि को अग्रिम	34304	15.72 (18%)*

*कोष्ठक में दिए गए आंकड़े लक्ष्य को दर्शाते हैं।

मुद्रा परिचालन की दर में वृद्धि

993. **श्री बरजिन्दर सिंह:**
श्री कपिल सिब्बल:

क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि देश में 11 सितम्बर, 1998 तक मुद्रा परिचालन की दर में 19.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी;

(ख) यदि नहीं, तो इस संबंध में तथ्यों का ब्यौरा क्या है और अक्तूबर, 1998 के अंत तक देश में मुद्रा परिचालन की दर क्या थी;

(ग) क्या यह भी सच है कि सरकार ने वर्ष 1998-99 में मुद्रा परिचालन की अधिकतम दर 15 प्रतिशत के आसपास निर्धारित की थी; और

(घ) यदि नहीं, तो सरकार ने क्या लक्ष्य निर्धारित किया था और लक्ष्य से कम मुद्रा परिचालन का आर्थिक स्थिति पर क्या प्रभाव पड़ने की संभावना है?

वित्त मंत्री (श्री यशवन्त सिन्हा): (क) 11 सितम्बर, 1998 को स्थूल मुद्रा (एम 3) में वर्ष-प्रतिवर्ष आधार पर 19.4 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई। तथापि, इस अवधि के लिए रिसर्जेन्ट बांडों को घटाकर स्थूल मुद्रा में वृद्धि 17.1 प्रतिशत पर अपेक्षाकृत कम थी।

(ख) प्रश्न नहीं उठता।

(ग) और (घ) देश के मौद्रिक प्राधिकारी की हैसियत से भारतीय रिजर्व बैंक मौद्रिक वृद्धि के अनुमान तैयार करता है। 1998-99 के लिए, भारतीय रिजर्व बैंक ने 15.0 से 15.5 प्रतिशत की वृद्धि दर का अनुमान लगाया था।